देश को सर्वश्रेष्ठ बनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का देश के नाम संदेश

1 2030 के कई लक्ष्य समय से पहले पूरे: राष्ट्रपति

2 विकसित भारत के संकल्प पर राष्ट्रपति का जोर

80	25	29	2030
करोड़ लोगों को मुफ्त राशन	करोड़ लोग गरीबी से मुक्त	करोड़ लोग पीएम जन धन योजना से जुड़े	के कई लक्ष्य समय से पहले हुए पूरे

नई दिल्ली, 14 अगस्त. 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित करते हुए सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं. राष्ट्रपति ने कहा कि कुछ ही घंटों बाद भारत स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है. यह ऐतिहासिक अवसर देश की उपलब्धियों को याद करने के साथ-साथ भविष्य के लक्ष्यों के लिए नए संकल्प लेने का समय है.

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि इस सपने को पूरा करने के लिए देश के प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदान देना होगा.

उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे भारत को सर्वश्रेष्ठ बनाने की भावना के साथ अपने कार्यों को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करें. द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले भारतीय स्वतंत्रता दिवस का उत्सव पूरे उत्साह और गर्व के साथ मनाते हैं.

उन्होंने कहा कि भारत की ताकत उसके नागरिकों की मेहनत, लगन और एकजुटता में है. हर व्यक्ति का छोटा-सा योगदान भी देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल अधिकारों का नाम नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदारियों का भी बोध कराती है. देश की निरंतर प्रगति में योगदान देना ही स्वतंत्रता की वास्तविक सार्थकता है. राष्ट्रपति ने सभी नागरिकों से अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देने और समाज तथा राष्ट्र के हित में कार्य करने की अपील की. राष्ट्रपति ने देश के विभिन्न वर्गों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थी और शिक्षक ज्ञान के माध्यम से देश का भविष्य तैयार कर रहे हैं.

> वैज्ञानिक और इंजीनियर नई खोजों और तकनीकी विकास के जरिए भारत को मजबूत बना रहे हैं. डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी लोगों के जीवन की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. वहीं श्रमिक और किसान अपने परिश्रम से देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा में प्रत्येक वर्ग की भूमिका अहम है. देश की सफलता केवल सरकारों के प्रयासों से नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से संभव होती है. राष्ट्रपति ने देशवासियों से अपील की कि वे सकारात्मक सोच, मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ें. उन्होंने कहा कि जब हर भारतीय राष्ट्र निर्माण को अपना दायित्व समझकर काम करेगा, तभी विकसित भारत का सपना पूरा होगा.

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को किया निलंबित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन विश्वास अभियान में बड़वानी के किसानों से किया संवाद

इंदौर, 14 अगस्त. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को बड़वानी जिले में समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान तीन प्रमुख शिकायतों की समीक्षा की. समीक्षा के दौरान राजस्व, नगरीय प्रशासन और पंचायत विभाग से जुड़े मामलों में लापरवाही सामने आने पर अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ निलंबिन की कार्रवाई की गई.

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से जुड़ी शिकायत की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने तत्कालीन तहसीलदार आशा परमार, जो वर्तमान में धार जिले में डिप्टी कलेक्टर हैं, को निलंबित करने के निर्देश दिए. दरअसल राजपुर तहसील के अजय ने पीएम किसान सम्मान निधि राशि के भुगतान को लेकर शिकायत की थी. इस मामले में लापरवाही बरतने पर संबंधित तहसीलदार वर्तान में डिप्टी कलेक्टर धार आशा परमार को निलंबित कर दिया. इसके अलावा मामले में दोषी पाए गए पटवारी मांगीलाल निगवाए और ललित बोरसे को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए गए.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के किसान संवाद के दौरान किसानों ने खुलकर अपनी बात रखी और खेती-किसानी से जुड़े अपने अनुभव साझा किए. किसानों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं और सुझाव सुनने की पहल का किसानों ने स्वागत किया.

दो नगर पालिका अधिकारी निलंबित

दूसरा मामला प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से जुड़ा था. रूपेश शर्मा की शिकायत की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी मायाराम सोलंकी सोलंकी और जगदीश धांगड़ को निलंबित करने के निर्देश दिए. इसके अलावा राजपुर के सहायक यंत्री बाबू डावर को भी निलंबित कर दिया गया. वहीं, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन इंदौर एस.के सिन्हा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए.

तत्कालीन सीईओ जनपद पंचायत निलंबित

वहीं, तीसरा मामला पानसेमल क्षेत्र में संबल योजना के तहत अंत्येष्टि और अनुग्रह सहायता राशि के भुगतान में देरी से संबंधित था. मामले की समीक्षा के बाद पानसेमल जनपद पंचायत के तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौरभ सिंह ठाकुर, जो वर्तमान में मुरैना में जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग के पद पर पदस्थ हैं, को निलंबित करने के निर्देश दिए गए. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि आम लोगों से जुड़ी योजनाओं में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे और शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए.

कृषि अधोसंरचना पर विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कृषि और किसानों को मजबूत बनाने के लिए सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि अधोसंरचना के विकास, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने और किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. किसानों की मेहनत प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करती है. सरकार किसानों के साथ खड़ी है और उनके हित में निरंतर कार्य कर रही है.

पीएम मोदी ने याद किया लोगों का साहस

विभाजन के दौरान कई परिवार उजड़ गए थे

नई दिल्ली, 14 अगस्त. विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 1947 के विभाजन से प्रभावित लोगों को याद करते हुए उनके साहस और संघर्ष को नमन किया. प्रधानमंत्री ने कहा कि विभाजन का इतिहास का वह दौर था, जिसने बड़ी संख्या में लोगों की जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया. परिवार बिखर गए, लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया और असहनीय पीड़ा का सामना करना पड़ा.

प्रधानमंत्री ने कहा कि इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोगों ने हार नहीं मानी. उन्होंने शून्य से अपना जीवन दोबारा शुरू किया और विपरीत परिस्थितियों को अपनी ताकत बनाकर आगे बढ़े. संघर्ष के बाद अपने जीवन को पुनर्स्थापित करने वाले इन लोगों ने न केवल अपने परिवारों को संभाला, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया. उन्होंने कहा कि विभाजन से प्रभावित लोगों की जीवन यात्रा मानवीय जिजीविषा की शक्ति का उदाहरण है. उनका साहस, धैर्य और कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने का संकल्प आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा देता है. उन्होंने कहा कि देश को ऐसे लोगों के संघर्ष और योगदान को हमेशा याद रखना चाहिए.

लाल किले की प्राचीर से पीएम मोदी बनाएंगे नया रिकॉर्ड

इस साल 15 अगस्त को जब देश आजादी की 80वीं वर्षगांठ मनाएगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले की प्राचीर से तिरंगा फहराएंगे और देश को संबोधित करेंगे तो एक नया रिकॉर्ड बनेगा. दरअसल पीएम मोदी लगातार 13वीं बार लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहरायेंगे. इसके साथ ही वह सबसे अधिक बार ऐसा करने वाले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री होंगे.

सहनशीलता को कमजोरी न समझें: डोवाल

ऑपरेशन सिंदूर के बाद डोभाल का दुनिया को साफ संदेश

नई दिल्ली, 14 अगस्त. ऑपरेशन सिंदूर के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भारत की सुरक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है. एक वृत्तचित्र के लिए दिए गए अपने बयान में डोभाल ने कहा कि भारत की उदारता और सहनशीलता को कमजोरी समझना किसी भी देश के लिए बड़ी भूल होगी.

उन्होंने कहा कि भारत जोखिम उठा सकता है और जरूरत पड़ने पर कड़ा प्रहार भी कर सकता है, भले ही उसके परिणाम कुछ भी हों. डोभाल का यह बयान ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में आया है. उन्होंने बताया कि यह अभियान करीब 88 घंटे तक चला. उनके मुताबिक, इस अभियान ने यह संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा और अपने नागरिकों के खिलाफ होने वाले खतरों को लेकर अब निर्णायक रुख अपनाने की क्षमता रखता है. राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि भारत की नीति को केवल उसकी शांति और सहनशीलता से नहीं आंका जाना चाहिए. भारत हमेशा शांति चाहता है, लेकिन जब देश की सुरक्षा और संप्रभुता पर खतरा आता है तो वह आवश्यक कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा. उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत के संयम को उसकी कमजोरी मानने की सोच सही नहीं है.

शुभकामनाएं

नवभारत परिवार की ओर से स्वतंत्रता दिवस की सभी शुभेच्छु पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों और शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं.

संपादक

अवकाश

15 अगस्त स्वाधीनता दिवस के अवसर पर आज शनिवार को नवभारत कार्यालय में अवकाश रहेगा. अगला अंक 17 अगस्त को प्रकाशित होगा.

महाप्रबंधक

भारत आएंगे ईरान के राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 14 अगस्त. पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष और तनाव के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान सितंबर में भारत की यात्रा पर आ सकते हैं.

पेजेशकियान नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आएंगे. भारत वर्ष 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और इसी के तहत इस वर्ष शिखर सम्मेलन की मेजबानी नई दिल्ली में की जा रही है. ईरानी राष्ट्रपति की प्रस्तावित भारत यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया की स्थिति बेहद संवेदनशील बनी हुई है.

स्वतंत्रता दिवस पर आईटीबीपी के 14 जवानों का सम्मान

- तीन अधिकारियों को राष्ट्रपति पदक
- 11 को सराहनीय सेवा पदक

नई दिल्ली, 14 अगस्त. 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के 14 पदाधिकारियों को पुलिस पदकों से अलंकृत किए जाने की घोषणा की गई है.

गृह मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, इन पदाधिकारियों को उनकी विशिष्ट और सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाएगा. पदक पाने वालों में तीन पदाधिकारी ऐसे हैं जिन्हें विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक प्रदान किया जाएगा. इनमें मंधीर ईक्का, महानिरीक्षक, निशिथ चंद्र, उप महानिरीक्षक और मोहन सिंह, निरीक्षक शामिल हैं. वहीं, सराहनीय सेवा के लिए 11 पदाधिकारियों को पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा. बर्फीले पहाड़ों, दुर्गम इलाकों और अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात बल के जवान देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए लगातार कार्य करते हैं.

हस्तियों के ट्वीट

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने हाल ही में सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि आज श्रीगंगानगर के सादुलशहर में आयोजित भव्य 'तिरंगा यात्रा' में उमड़ा यह ऐतिहासिक और विशाल जनसैलाब देवतुल्य जनता के अटूट राष्ट्रप्रेम, अद्वितीय उत्साह और 'राष्ट्र-प्रथम' के पावन संकल्प का जीवंत प्रमाण है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं प्रेरणादायी नेतृत्व में चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान ने आज पूरे देश में एक अभूतपूर्व जन-आंदोलन का रूप ले लिया है।

पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने हाल ही में सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, हर घर तिरंगा अभियान के तहत, आज मुझे भुवनेश्वर स्थित अपने आवास पर भारत के गौरव और सम्मान के प्रतीक 'तिरंगे' को फहराने का सौभाग्य मिला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में, 'हर घर तिरंगा' अभियान ने पूरे देश में राष्ट्रवाद का एक अद्भुत उत्साह पैदा किया है.

ड्रग तस्करी पर मोदी सरकार का जीरो टॉलरेंस

नई दिल्ली, 14 अगस्त. केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार विदेशों में छिपे ड्रग तस्करों का लगातार पता लगा रही है और उनके पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए कठोर रुख अपना रही है.

उन्होंने बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी ने यूएई से फरार ड्रग किंगपिन वीरेंद्र सिंह बसोया की भारत वापसी सुनिश्चित की है. शाह ने इस कार्रवाई को नशीले पदार्थों के खिलाफ सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया. उन्होंने कहा कि ड्रग तस्करी के नेटवर्क को केवल स्थानीय स्तर पर कार्रवाई करके खत्म नहीं किया जा सकता, इसलिए एजेंसियां नेटवर्क की पूरी संरचना को समझकर उसके अलग-अलग स्तरों पर कार्रवाई कर रही हैं. जांच एजेंसियां अपराधियों तक पहुंचने के लिए 'टॉप-टु-बॉटम' और 'बॉटम-टु-टॉप' दोनों दृष्टिकोण अपना रही हैं. यानी नेटवर्क के शीर्ष पर बैठे मुख्य आरोपियों से लेकर नीचे स्तर पर सक्रिय लोगों तक और निचले स्तर से जांच को आगे बढ़ाकर बड़े नेटवर्क तक पहुंचने की रणनीति अपनाई जा रही है.

> वीरेंद्र सिंह बसोया की यूएई से भारत वापसी को इसी अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है. अमित शाह ने कहा कि सरकार की एजेंसियां विदेशों में छिपे आरोपियों का पता लगाने और उन्हें भारतीय कानून के सामने लाने के लिए लगातार काम कर रही हैं. उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों का कारोबार युवाओं और समाज के लिए गंभीर चुनौती है. ऐसे में सरकार का लक्ष्य केवल तस्करों को पकड़ना नहीं, बल्कि उनके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना है. इसके लिए देश के भीतर कार्रवाई के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय किया जा रहा है.

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली. वीर सावरकर के अपमान से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है. सुप्रीम कोर्ट ने लखनऊ की निचली अदालत से राहुल गांधी के खिलाफ जारी समन को निरस्त कर दिया है. कोर्ट ने यह आदेश तब दिया जब उत्तर प्रदेश सरकार ने यह बताया कि उसने राहुल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक कानूनी मंजूरी नहीं दी थी.

लाल किला समेत छह जगहों को उड़ाने की धमकी

- धमकी भरे ई-मेल से हड़कंप सुरक्षा एजेंसी सतर्क

नई दिल्ली, 14 अगस्त. स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले दिल्ली में कई अहम स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं. धमकी भरे ई-मेल में लाल किला, दिल्ली उच्च न्यायालय और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 समेत छह स्थानों को निशाना बनाने की बात कही गई है. इसके अलावा दिल्ली मेट्रो और अंबाला जाने वाली ट्रेनों को लेकर भी धमकी दी गई है.

धमकी की सूचना मिलते ही संबंधित सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन ने संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी. अधिकारियों ने तत्काल जांच शुरू की और संदिग्ध स्थानों पर सुरक्षा जांच की गई. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, अब तक किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की सूचना नहीं है. जाम नगर हाउस, झंडेवालान बिल्डिंग, एमबी साकेत कार्यालय, जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, उपमंडल मजिस्ट्रेट कार्यालय और दिल्ली छावनी क्षेत्र को लेकर भी धमकी भरे संदेश या कॉल की जानकारी सामने आई है. इन स्थानों पर भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है.

इतिहास के झरोखे | जनविश्वास के 9 दशक/क्रॉनिकल का अभ्युदय

प्रधान संपादक, सांसद और समाजसेवी : नवभारत के विस्तार पुरुष श्री प्रफुल्ल माहेश्वरी

संजीव शर्मा

भोपाल, 14 अगस्त. 1942 में नागपुर में जन्में श्री प्रफुल्ल कुमार माहेश्वरी का नाम मप्र की पत्रकारिता में केवल एक समाचार-पत्र संचालक के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार वाले व्यक्तित्व के रूप में जाना जाता है। नवभारत के संस्थापक बाबू जी श्री रामगोपाल माहेश्वरी ने उन्हें मध्य भारत प्रांत और बाद में अविभाजित मध्यप्रदेश में समाचार-पत्र के विस्तार की जिम्मेदारी सौंपी. उन्होंने इस दायित्व को चुनौती की तरह स्वीकार किया और नवभारत को प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. यही विस्तार आगे चलकर नवभारत की मप्र में मजबूत पहचान का आधार बना.

नवभारत का विस्तार केवल हिन्दी पत्रकारिता के भौगोलिक प्रसार तक सीमित नहीं रहा. वर्ष 1957 में भोपाल से अंग्रेजी दैनिक मध्यप्रदेश क्रॉनिकल का प्रकाशन शुरू हुआ. बाद में 1984 में इसका प्रकाशन रायपुर से भी होने लगा. इस तरह समूह ने हिन्दी के साथ अंग्रेजी पत्रकारिता में भी अपनी उपस्थिति मजबूत की.

वर्ष 1984 में बिलासपुर संस्करण शुरू हुआ. इसके साथ नवभारत छह संस्करणों वाला

सशक्त दैनिक बन गया नागपुर, जबलपुर, भोपाल, रायपुर, इंदौर और बिलासपुर. उस समय तक यह नेटवर्क तत्कालीन मध्यप्रदेश और आसपास के बड़े भूभाग को जोड़ चुका था.

इसके बाद विस्तार का अगला चरण मध्यप्रदेश के उत्तर और विंध्य क्षेत्र की ओर आया. वर्ष 1995 में ग्वालियर संस्करण शुरू हुआ. ग्वालियर ने मध्यप्रदेश के उत्तरी हिस्से को नवभारत के पाठक परिवार से जोड़ा. यहां इतिहास, राजनीति और बदलते सामाजिक जीवन की आवाज को जगह मिली.

वर्ष 1999 में सतना संस्करण शुरू हुआ. इसके साथ विंध्य क्षेत्र भी नवभारत के मजबूत नेटवर्क का हिस्सा बना. सतना के माध्यम से विंध्य के सामाजिक, आर्थिक और स्थानीय सरोकारों को व्यापक मंच मिला. फिर वर्ष 2000 में छिंदवाड़ा संस्करण शुरू हुआ. यह मध्यप्रदेश में नवभारत के विस्तार का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था और इसके साथ 10 संस्करणों का नेटवर्क पूरा हुआ.

नागपुर से जबलपुर, भोपाल और इंदौर तक पहुंची यात्रा अब ग्वालियर, सतना और छिंदवाड़ा तक फैल चुकी थी. यह केवल संस्करणों की संख्या बढ़ने की कहानी नहीं थी. यह उस पत्रकारिता की यात्रा थी, जो प्रदेश के अलग-अलग भूगोल, समाज और समुदायों की अपनी-अपनी आवाज को एक साझा मंच दे रही थी. ग्वालियर से उत्तर की आवाज आई, सतना से विंध्य की और छिंदवाड़ा से आदिवासी, ग्रामीण तथा उभरते मध्यप्रदेश की आवाज नवभारत के पन्नों तक पहुंची. इस तरह अखबार का विस्तार प्रदेश के नक्शे पर नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में दिखाई देने लगा.

पत्रकारिता के साथ उनका सार्वजनिक जीवन भी व्यापक रहा. वे राज्यसभा के मनोनीत सदस्य बने और विभिन्न संसदीय समितियों में सक्रिय रहे. यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया के निदेशक मंडल के चेयरमैन सहित कई संस्थागत जिम्मेदारियां उन्होंने संभालीं. वे मध्यप्रदेश दैनिक समाचार पत्र संघ के संस्थापक अध्यक्ष, मध्यप्रदेश उद्योग एवं वाणिज्य महासंघ से जुड़े पदों पर भी रहे. सामाजिक क्षेत्र में भी उनकी सक्रियता उल्लेखनीय थी.

उन्होंने सांसद निधि से आम लोगों और पत्रकारों के लिए कई काम किये वे रोटरी क्लब में विभिन्न पदों पर रहे, जो उनके संगठनात्मक और सामाजिक नेतृत्व का परिचायक है. इस तरह श्री प्रफुल्ल कुमार माहेश्वरी की यात्रा पत्रकारिता से शुरू होकर समाचार-पत्र के विस्तार, संसद, उद्योग-जगत और सामाजिक संस्थाओं तक पहुंची. 15 नवंबर 2018 को उनके निधन के साथ एक ऐसा अध्याय समाप्त हुआ, जिसने मध्यप्रदेश की पत्रकारिता को व्यापक भौगोलिक और सामाजिक आधार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनके निधन के उपरान्त अगली पीढ़ी उनके कार्यों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभा रही है.